भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या **3704**

**25.03.2022** को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लाना

**3704.** श्री दीपक अधिकारी (देव):

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः

एडवोकेट अदूर प्रकाश:

श्री थोमस चाज़िकाडन:

श्री रितेश पाण्डेय:

श्री हनुमान बेनीवाल:

श्री सुरेश कश्यपः

श्री रवनीत सिंह:

श्री विजय कुमार उर्फ विजय वंसतः

श्रीमती कनिमोझी करुणानिधिः

डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:

श्री सुनील कुमार:

डॉ. टी. आर. पारिवेन्धर:

श्रीमती सजदा अहमदः

श्री सुधीर गुप्ता:

श्रीमती प्रतिमा मण्डल:

श्री भोलानाथ 'बी.पी. सरोज' :

श्री बी. बी. पाटील:

श्री राहुल रमेश शेवाले:

श्री सुब्रत पाठक:

श्रीमती नुसरत जहां:

श्री एंटो एन्टोनी:

डॉ. तालारी रंगैय्याः

श्रीमती रंजीता कोली:

श्री दीपक बैज:

**श्री दयानिधि मारन:**

**श्री सुमेधानंद सरस्वती:**

**श्री बालुभाऊ उर्फ सुरेश नारायण धानोरकर:**

**श्री जगदम्बिका पाल:**

**श्री एन.के. प्रेमचन्द्रन:**

**श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह:**

**डॉ. जयंत कुमार राय:**

**श्री मारगनी भरतः**

**श्री राकेश सिंह:**

**श्री चन्द्र शेखर साहू:**

**श्री के. सुब्बारायणः**

**श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:**

**श्रीमती माला राय:**

**श्री प्रताप राव जाधव:**

**श्री सु. थिरूनवुक्करासरः**

**श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:**

**श्री टी. एन. प्रथापनः**

**श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**

**श्री पी.पी. चौधरी:**

**श्री राहुल कस्वां:**

**श्री बिद्युत बरन महतो:**

**श्री गौतम गंभीर:**

**श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:**

**श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:**

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में फंसे भारतीयों विशेषकर छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और भारतीयों और अध्ययनरत छात्रों की संख्या कितनी है तथा इसमें से कितने लोग घायल हुए/मारे गए हैं;

(ख) क्या राज्य के स्वामित्व वाली विमान कंपनी न होने के कारण परामर्श जारी होने के बाद लोगों को सुरक्षित निकालने में देरी हुई और यदि हां, तो 15 फरवरी, 2022 से ऑपरेशन गंगा के तहत संचालित उड़ानों और अब तक बचाए गए/निकाले गए व्यक्तियों और अभी भी वहां फंसे हुए लोगों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने विस्थापित और मृत भारतीयों को कोई सहायता प्रदान की है एवं यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और इन छात्रों को भारतीय मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) यूक्रेन में भारतीय दूतावास द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का ब्यौरा क्या है और इसके अधिकारियों के खिलाफ भोजन/पानी जैसी आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने में छात्रों की मदद नहीं करने संबंधी प्राप्त हुई शिकायतों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार के पास किसी भारतीय विमान कंपनी द्वारा मूल्य वृद्धि करने/हवाई टिकटों की अनुपलब्धता के बारे में कोई सूचना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने और युद्ध की स्थितियों को समाप्त करने के लिए राजनयिक वार्ताओं सहित क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**[श्रीमती मीनाक्षी लेखी]**

(क) 1 फरवरी 2022 से अब तक लगभग 22,500 भारतीय नागरिक, जिनमें अधिकतर छात्र हैं, यूक्रेन से सुरक्षित भारत लौट आए हैं। यूक्रेन में स्थित हमारा दूतावास यूक्रेन में ऐसे शेष भारतीय नागरिकों के संपर्क में है, जिन्होंने दूतावास में पंजीकरण कराया है। ऐसा अनुमान है कि यूक्रेन में अभी भी लगभग 50 भारतीय नागरिक हो सकते हैं, जिनमें 15-20 ऐसे हैं, जो भारत लौटने के इच्छुक हो सकते हैं। दूतावास यथासंभव उनकी वापसी के लिए सुविधा प्रदान कर रहा है।

एक भारतीय नागरिक, हरजोत सिंह गोली लगने से घायल हो गए थे, लेकिन उन्हें चिकित्सकीय देखरेख में सुरक्षित भारत ले जाया गया। दुर्भाग्य से खार्किव मेडिकल यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्र नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर ने 2 मार्च 2022 को अपनी जान गंवा दी।

(ख) फरवरी में लगातार बढ़ते तनाव को देखते हुए, कीव स्थित भारतीय दूतावास ने 15 फरवरी, 2022 को एक परामर्शी जारी की जिसमें यूक्रेन में रह रहे ऐसे भारतीय नागरिकों को अस्थायी रूप से देश छोड़ने की सलाह दी गई जिनका प्रवास अनिवार्य नहीं था। इसके अलावा 20 फरवरी और 22 फरवरी को भी परामर्शी जारी की गईं जिनमें छात्रों को यूक्रेन छोड़ने के लिए जोर दिया गया। सीधी उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए यूक्रेनी पक्ष के साथ परामर्श करके उस समय लागू एयर-बबल प्रतिबंधों को तुरंत हटा लिया गया था। इसके परिणामस्वरूप, 23 फरवरी 2022 तक लगभग 4000 भारतीय नागरिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उड़ानों से यूक्रेन से रवाना हुए।

24 फरवरी 2022 को युद्ध आरंभ होने के कारण यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद, भारत सरकार ने 24 फरवरी के बाद से अब तक लगभग 18,500 भारतीय नागरिकों की निकासी की सुविधा

प्रदान की है। अब तक ऑपरेशन गंगा के तहत, भारत सरकार के खर्च पर 90 उड़ानें संचालित की गईं जिनमें से 76 वाणिज्यिक एयरलाइंस और 14 आईएएफ उड़ानें थीं।

(ग) सरकार ने ऐसे विस्थापित भारतीयों को आश्रय, भोजन, चिकित्सा सहायता के रूप में हर संभव सहायता प्रदान की, जो यूक्रेन की पश्चिमी सीमा पार कर पड़ोसी देशों में चले गए थे। अंततः उन्हें ऑपरेशन गंगा के तहत संचालित उड़ानों के माध्यम से निकाला गया।

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने 2 मृत भारतीयों के पार्थिव शरीर को भारत में उनके घर वापस लाने में मदद की।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय यूक्रेन से लौटे भारतीय छात्रों की मेडिकल शिक्षा पूरी करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।

(घ) यूक्रेन स्थित हमारा दूतावास भारतीय नागरिकों से संपर्क करने, परिवहन की व्यवस्था और सुविधा प्रदान करने, स्थानीय प्राधिकारियों के साथ समन्वय करने, भोजन उपलब्ध कराने आदि के लिए लगातार प्रयासरत है। निकासी अभियान के दौरान हमारा दूतावास यूक्रेन के प्राधिकारियों के लगातार संपर्क में था।

(ङ) अब तक ऑपरेशन गंगा के तहत, भारत सरकार के खर्च पर 90 उड़ानें संचालित की गईं जिनमें से 76 वाणिज्यिक एयरलाइंस और 14 आईएएफ उड़ानें थीं।

(च) प्रधानमंत्री ने कई अवसरों पर रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से वार्ता की। उन्होंने विशेष रूप से खार्किव और सुमी से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने रोमानिया, स्लोवाक गणराज्य और हंगरी के प्रधानमंत्रियों और पोलैंड के राष्ट्रपति से भी वार्ता की ताकि उनके देशों में भारतीय नागरिकों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए उनका समर्थन प्राप्त किया जा सके। विदेश मंत्री भी समान कारणों से रूस और यूक्रेन के अपने समकक्षों के लगातार संपर्क में थे। विदेश सचिव ने नई दिल्ली में रूस और यूक्रेन के राजदूतों के साथ संपर्क बनाए रखा, जबकि कीव और मॉस्को में राजदूतों ने अपनी संबंधित राजधानियों में अनुवर्ती कार्रवाई की।

***